Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding role of private banks in loan disbursal in Bundelkhand region.

श्री अनुराग शर्मा (झांसी): महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया ।

हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने और वित्त मंत्री जी, जो आज यहाँ मौजूद हैं, इन्होंने राष्ट्रीयकृत बैंकों को इजाजत दी थी और उन्हें लोन्स देने के लिए कहा था । इस कोरोना काल में मेरे संसदीय क्षेत्र झांसी और ललितपुर में विशेष रुप से राष्ट्रीयकृत बैंक अपना कार्य पूरा कर रहे हैं, लेकिन अगर इकोनॉमी को रिवाइव कराना है, बुन्देलखण्ड पिछड़ा इलाका है, इस इलाके में प्राइवेट सेक्टर बैंक्स बिल्कुल ही आगे नहीं आते हैं ।

महोदय, इनके साथ मेरी विशेष रुप से शिकायत यह है कि अगर इनको 'दिशा' की मीटिंग में बुलाया जाता है, इनसे अक्सर पूछा जाता है कि आपका डिपॉजिट टू लोन्स का क्या रेशियो है, तो ये मीटिंग में नहीं आते हैं । इनकी बहुत बुरी हालत है । अगर किसी भी प्राइवेट सेक्टर बैंक का आंकड़ा माँगकर देखा जाए तो यहाँ पर मात्र 20 से 25 परसेंट ही डिपॉजिट का इन्होंने लोन दिया है । इसकी वजह से हमारे यहाँ जो छोटे, स्मॉल एंड मीडियम एन्टरप्राइजेज हैं, इनका रिवाइवल प्राइवेट सेक्टर बैंक्स की वजह से रुक रहा है ।

मैं फिर से वित्त मंत्री जी से आग्रह करुँगा कि वे ये आंकड़े मंगवाकर देखें और बुन्देलखण्ड के लोगों को, हमको जरा रिलीफ देने की कोशिश करें । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री सी.पी. जोशी, श्री मलूक नागर और श्री सुधीर गुप्ता को श्री अनुराग शर्मा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।